भाकृअनुप–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान
जी.टी. रोड, रावतपुर, कानपुर – 208 002
(उत्तर प्रदेश)
An ISO 9001:2015 Certified

(O) : (0512) 2533560, 2554746
Fax : (0512) 2533560, 2554746
Website : http://atarik.res.in
E-mail : zpdicarkanpur@gmail.com

दि. 11–09–2020

शिक्षा पर्व पर माननीय प्रधानमंत्री का संबोधन

आज दि. 11–09–2020 को माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत '21वीं सदी में स्कूली शिक्षा' सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में अटारी कानपुर निदेशक डा. अतर सिंह ने भी आनलाइन भाग लिया। माननीय प्रधानमंत्री ने छात्रों, अभिभावकों, सभी राज्यों की शिक्षाविदों एवं शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति देश के भविष्य निर्माण की नींव डाल रही है, नये युग के निर्माण के बीज पड़े हैं। यह नई दिशा देने वाली नीति है, 3 दशकों से सब कुछ बदल गया है। समाज साहित्य की तरफ बढ़ता है, शिक्षा व्यवस्था पुराने ढर्रे पर थी, जिसे बदलना जरूरी था। इसके लिये 4–5 वर्षों की कड़ी मेहनत है। जैसा बचपन होगा जीवन उसी पर निर्भर करता है, काफी हद तक यह निर्भर करता है कि वह कैसा बनेगा। बाहर निकलने का पहला पड़ाव, अपने हुनर को ज्यादा अच्छे से समझने की जरूरत है, गतिविधि आधारित शिक्षा अर्थात एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग काफी उपयोगी है। सोच से ज्यादा अप्रोच की आवश्यकता है, कोरोना काल से बने हालात हमेशा नहीं रहने वाले हैं, बच्चे वैज्ञानिक दृष्टि से सोचना शुरु करें। गणितीय सोच, यह तरीके सिखाने हैं। मस्तिश्क विश्लेषण करें, मन और मस्तिष्क का विकास जरूरी है। प्रधान अध्यापक यह सोच रहे होंगे कि हम तो पहले से भी ऐसा ही करते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 10+2 के स्थान पर 5+3+4 की व्यवस्था बुनियाद के रूप में बहुत सोच–समझकर की गई है। प्री स्कूल की प्लेफुल एजुकेशन प्राइवेट स्कूलों तक सीमित है, अब यह हर जगह मिलेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रारंभिक भाषा का ज्ञान, सामान्य लेख को समझने, पढ़ने का विकास करें। लर्न टू रीड करना तथा रीड टू लर्न, विद्यार्थी 3 कक्षा के बाद 30–35 शब्द आसानी से पढ़ पायें जिसे कन्टेन्ट समझने में आसानी रहेगी। प्रकृति को स्वभाविक रूप से देखें। आसान, नये–नये तौर तरीकों से सीखने का मौका मिलेगा, गतिविधियां, घटनाओं को अपने आप सीखें, रचनात्मक तरीके से अनुभव करना सीखें। कुछ शिक्षक इनोवेटिव हैं।

कारीगरी, पारम्परिक कला, भागलपुर की साड़ियों पर किये जाने वाला काम इत्यादि हुनर भी महत्वपूर्ण हैं। इन्हें सीखन हेतु यह हुनर रखने वाले लोगों को स्कूलों में बुलाया जा सकता है। मिट्टी के बर्तन वाले को बुलायें तथा सीखें। डीप स्किल भी काफी महत्वपूर्ण है, यदि छात्र देखेंगे तो उन्हें भावनात्मक जुड़ाव होगा, जानेंगे, शोध करेंगे, हो सकता है कुछ बच्चें भविष्य में ऐसे उद्योगों से जुड़ जायें। नेशनल कैरिकुलम फ्रेम तैयार किया गया है। नये भविष्य की तरफ कदम रखेंगे। वैज्ञानिक पाठ्यक्रम होगा, सुझाव के आधार पर इसमें सुधार भी किया जायेगा। यह 21वीं सदी के कौशल का होगा।

डेटा विज्ञान के जुड़ें। पहले की शिक्षा नीति रही है, सभी विषय एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। जबकि वो दूसरे क्षेत्र म अच्छा काम कर सकते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कोई भी विषय चुनने की आजादी दी गई है, युवा को उसकी प्रतिभा को पूरा मौका मिलेगा। अनुभवी जानकार लोग उपस्थित हैं। नंबरों व मार्कशीट पर आधारित शिक्षा की जगह सीखने वाली शिक्षा की आवश्यकता है। बच्चों को मानसिक तनाव से निकालना आवश्यक है, बच्चों पर इसका बेवजह प्रभाव न पड़ें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में समग्र रिपोर्ट कार्ड पर बल दिया गया है। खास क्षमता, कौशल, कार्यक्षमता सम्पूर्ण सुधार के लिये। पढ़ाने की भाषा क्या होगी– भाषा शिक्षा का माध्यम है। जिस भाषा से आसानी से सीख सकें वो ही पढ़ाई की भाषा हो, जो शिक्षक बोल रहा है उसको आसानी से छात्र समझ सके। आरंभिक शिक्षा मातृभाषा में ही दी जाती है। जो भाषा घर की होती है, उस भाषा में सीखने की गति अच्छी होती है। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे पढ़ाई से आसानी से जुड़ नहीं पाते हैं, पढ़ाई में खाई पैदा हो जाती है, 5वीं स्तर पर मातृभाषा होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कोई अन्य भाषा सीखने पर प्रतिबंध नहीं है। सभी भारतीय भाषाओं को रखा जायेगा, हर क्षेत्र का रिश्ता मजबूत हो। शिक्षकों को काफी कुछ नया सीखना है और पुराना भूलना है। 2022 राष्ट्रीय शिक्षा नीति हेतु शिक्षकों, प्रशासकों, स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग दें ताकि राष्ट्र इसे लागू कर पाये। शिक्षक वर्ग छात्रों के बेहतर भविष्य हेतु मन लगाकर कार्य करेगा। हर मानव गृहण करने की कोशिश करेगा। 5 सितम्बर से इसे आगे बढ़ाने में लगे हैं।

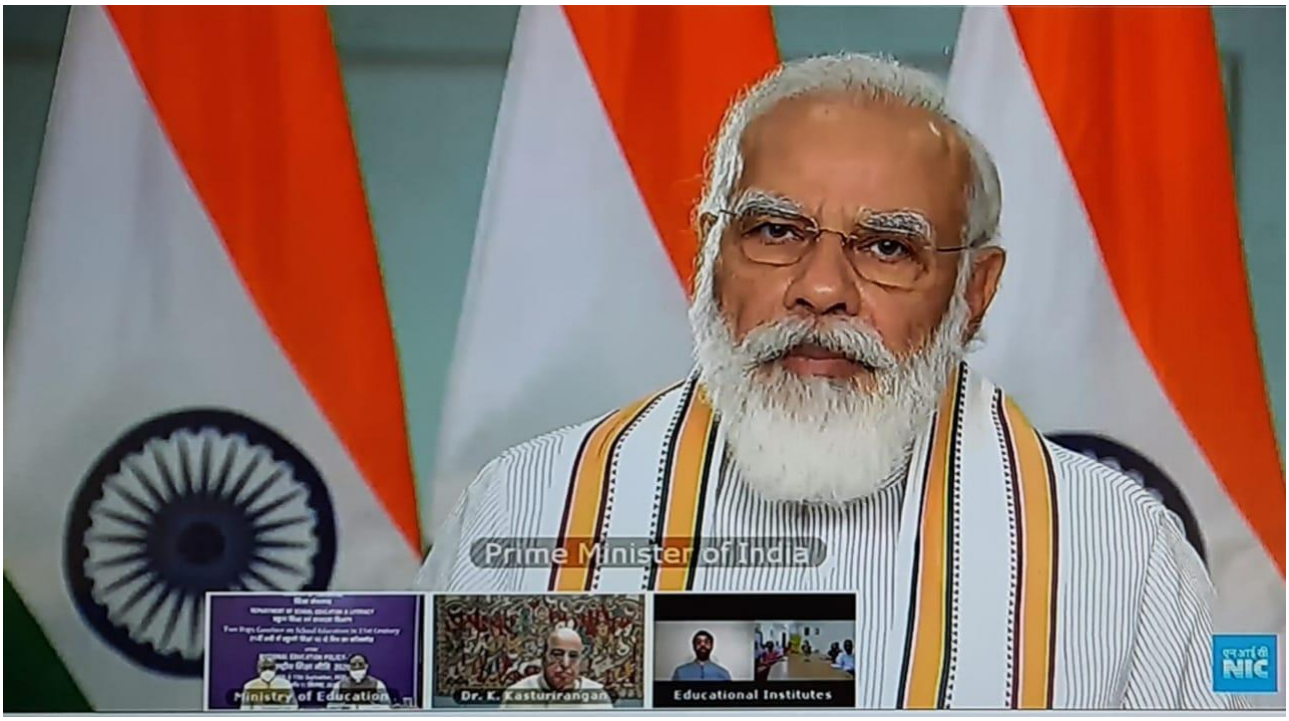
Prime Minister of India
Ministry of Education
Dr. K. Kasturirangan
Educational Institutes
NIC

भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान
संस्थान (अटारी), कानपुर
ICAR-Agricultural Technology Application
Research Institute (ATARI), Kanpur
ATARI
ICAR